

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बरही, हजारीबाग।

वाद सं०-14/2021

धारा-145 द०प्र०स०

जगदीश महतो -बनाम- बासो महतो वगै०

तारीख :- आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर :- अमियुक्ति

प्रस्तुत वाद कि कार्रवाई आवेदक के आवेदन पर इनके विज्ञ अधिवक्ता द्वारा दिये गए तर्क के आधार पर मौजा मासीपीडी, थाना-बरकट्टा, जिला- हजारीबाग के अन्तर्गत खाता सं-40 प्लॉट सं-561 रकबा 13 डी० जिसकी चौहदी 30-गेनसी मसोमात,द०-भीम महतो,पू०-मुशी महतो,प०-रास्ता वाली भूमि के कारण कभी भी शांति भंग होने कि समावना बनी हुई है, शांति व्यवस्था के मद्देनजर धारा 145 द०प्र०स० के तहत कार्यवाही प्रारंभ करते हुए पक्षकारों को विधिवत नोटिस निर्गत किया गया तथा कारणपृच्छा एवं भूमि संबंधीत कागजात दाखिल करने हेतु निर्देशित किया गया। नोटिस तामिला अभिलेख में साक्ष्य के रूप में उपलब्ध है।

नोटिस प्राप्ति के पश्चात उभय पक्ष न्यायालय में उपस्थित हुए तथा अपना-अपना पक्ष रखा।

प्रथम पक्ष द्वारा दाखिल कारणपृच्छा में उल्लेख किया गया है कि प्रश्नगत भूमि हमारी खतियानी भूमि है जिसे प्रथम पक्ष के द्वारा हमको एकरारनामा (सादा) के द्वारा दिया गया है। जिसे अब विपक्षी हडपना चाहते हैं,जिस कारण इस वाद को लाया गया है।

द्वितीय पक्ष ने अपने कारणपृच्छा में उल्लेख किया है कि प्रश्नगत भूमि खतियानी भूमि है तथा उक्त प्लॉट में 13-13 डी० भूमि हिस्सेदारों को मिला तथा प्रथम पक्ष अपनी 13 डी० भूमि पर मकान निर्माण कर चुके है तथा मेरी हिस्से पर बने मकान पर धारा 145 द०प्र०स० कार्यवाही कर परेशान करने के नियत से इस वाद को लाया गया है।

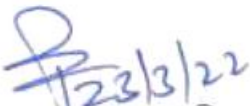
अंचल अधिकारी,बरकट्टा ने अपने पत्रांक 20 दिनांक 24.01.2022 से जॉच प्रतिवेदन समर्पित किया है,तथा अपनी प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया है कि मौजा मासीपीडी के थाना न० 103 के रैयती खाता न०-40 कुल रकबा 4.08 ए० की जमाबंदी पंजी II के पेज न० 75/2 पर गोविन्द महतो वगै० के नाम से दर्ज है तथा इनके द्वारा यह भी प्रतिवेदित किया गया है कि उक्त प्रश्नगत भूमि पर बासो महतो का घर बना हुआ है जो एलवेस्टर सीट का है तथा लोग रह रहे है।

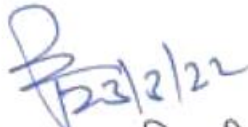
अभिलेख में उपलब्ध कागजातों, उभय पक्षों के कारणपृच्छा एवं इनके विज्ञ अधिवक्ता को सुनने तथा अंचल अधिकारी, बरकट्टा द्वारा प्राप्त जॉच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया है कि प्रश्नगत

भूमि पर द्वितीय पक्ष का मकान बना हुआ है तथा वे वर्तमान में निवास करते हैं. इस प्रकार यह स्पष्ट है कि उक्त भूमि पर द्वितीय पक्ष का कब्जा है. चूंकि प्रथम पक्ष बदलैन के आधार पर हक-हकियत का दावा करते हैं, जो इस न्यायालय को इस धारा के तहत कब्जा के बिन्दु पर ही अधिकार प्रदत्त है तथा हक-हकियत/हिस्सा देना इस न्यायालय के क्षेत्राधिकार में नहीं आता है। ऐसी परिस्थिति में प्रथम पक्ष अपने बदलैन के आधार पर अपने हक-हकियत/हिस्सा का दावा करने हेतु सक्षम न्यायालय में वाद दायर कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में अधोहस्ताक्षरी के विवके से दं०प्र०सं० की धारा-145 का चलना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है।

अतः उभय पक्षों को शांति बनाये रखने के निर्देश के साथ वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित

  
23/3/22  
अनुमण्डल दण्डाधिकारी,  
बरही, हजारीबाग

  
23/2/22  
अनुमण्डल दण्डाधिकारी,  
बरही, हजारीबाग

Nishant  
No inquiry  
Report - No further  
proceed